AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नए सत्र से बीटेक एआई और बीएससी डेटा साइंस की पढ़ाई

कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर लविवि वीसी ने बताई प्राथमिकता

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र 2021-22 से बीटेक इन कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और बीएससी डेटा साइंस की पढ़ाई शुरू करेगा। इसके साथ ही कृषि संकाय की स्थापना होगी। अभिनव गुप्त शोध संस्थान को स्कूल के रूप में संचालित किया जाएगा और बिजनेस क्लिनिक की भी शुरुआत की जाएगी। यह जानकारी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बृहस्पतिवार को अपने कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर आयोजित प्रेसवार्ता में दी।

कृषि संकाय की स्थापना होगी, बिजनेस क्लिनिक भी शुरू करेंगे

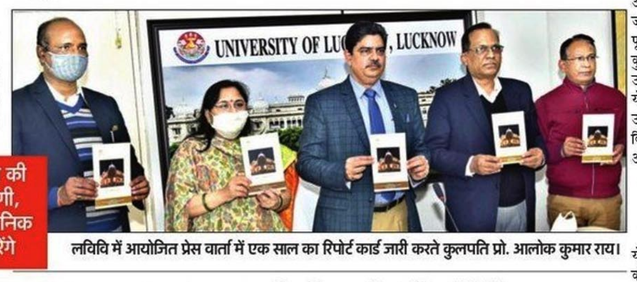

लविवि में आयोजित प्रेस वार्ता में एक साल का रिपोर्ट कार्ड जारी करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय।

प्रो. राय ने बताया कि बीटेक कोर्स की काफी मांग है। इसे देखते हुए यहां 60 सीट की एक नई विधा में पढ़ाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष नया डीलिट अध्यादेश बनकर तैयार है। यहां पिछले 10 वर्षों से प्रवेश नहीं हो रहा है। नए साल 2021 में पहला प्रवेश इसी कोर्स में होगा। इसी क्रम में योग और वैकल्पिक चिकित्सा संकाय में एनईपी-2020 पूर्ण रूप से लागू होगी। साथ ही योग विभाग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में इस साल से यूजी, पीजी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। क्रॉस-कल्चरल स्टडीज के लिए केंद्र शुरू करेंगे।

उन्होंने बताया कि विवि में बिजनेस क्लिनिक को छात्र ओपीडी की तरह चलाएंगे। जहां व्यवसायिक उन्नति के लिए मार्गदर्शन व काउंसलिंग होगी। उन्होंने कहा कि विवि कंसल्टेंसी सर्विस देने की तरफ भी बढ़ा रहा है। इंजीनियरिंग और लॉ फैकल्टी से कंसल्टेंसी प्रदान करने की कोशिश की जा रही है। यह दो मोड में होगी, एक जरूरतमंद व्यक्तियों को मुफ्त और दूसरी कॉर्पोरेट कंसल्टेंसी। उन्होंने कहा कि नए साल में नैक, एनआईआरएफ रैंकिंग के साथ अपना ग्रीन ऑडिट भी कराएंगे। इस अवसर पर उन्होंने लविवि का एंथम भी लॉन्च किया। यह एंथम हाल ही में शताब्दी वर्ष उत्सव के दौरान रिलीज हुए विवि के वित्तचित्र के पार्श्व संगीत का हिस्सा है। इसे पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने तैयार किया था। प्रेसवार्ता में डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एमएम सक्सेना भी मौजूद थे।

एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी : कुलपति प्रो. राय ने इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा विधायक निधी से लविवि को दी गई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाई।

पीजी-पीएचडी के प्रवेश विभागीय स्तर पर

प्रो. आलोक राय ने बताया कि प्रवेश में पारदर्शिता लाने के लिए नए सत्र में स्नातकोत्तर और पीएचडी के प्रवेश विभागीय स्तर पर होंगे। इसके अलावा दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाल प्रायोजित पदक और डिग्री वितरण भी विभाग स्तर पर दिए जाएंगे। इनकी संख्या 100 से ज्यादा है। विभाग स्तर पर पूर्व छात्र सेल को भी मजबूती दी जाएगी।

जारी की अपनी वार्षिक रिपोर्ट

प्रो. राय ने इस अवसर पर अपनी एक वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट जारी की। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने के लिए संवाद होना चाहिए। इसके तीन महत्वपूर्ण घटक ट्रस्ट, इंट्रेस्ट व एंपावर होते हैं। इनका मैंने प्रयोग किया। एक साल में छह कार्य परिषद की बैठक की। लविवि की वेबसाइट पर अब तक 2.5 करोड़ हिट्स मिले हैं। विद्यार्थियों से संवाद के लिए संचार के सभी संभावित तरीकों का प्रयोग किया। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार लविवि देश में पहले स्थान पर है। क्रेडिट ट्रांसफर स्कीम और पीएचडी अध्यादेश को प्रभावी बनाया है। छात्र केंद्रित कार्यक्रमों को शुरू किया। प्लेसमेंट सेल को दोबारा सक्रिय किया। लॉकडाउन के दौरान सैनिटाइजर व काढ़ा बनाया गया। छात्र केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म स्लेट, सिम्स शुरू हुए। विवि ने स्वयं का भर्ती पोर्टल शुरू करके भर्ती का पारदर्शी तरीका अपनाया है।

NBT PAGE 4

एलयू में नए कोर्स और फैकल्टी

एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर एलयू वीसी ने गिनाईं उपलब्धियां

बेहतर शिक्षा

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी वर्ष से कई नई फैकल्टी और नए कोर्सेज शुरू होंगे। इसमें अगले सत्र से डीलिट कोर्स भी शुरू किया जाएगा। एलयू में एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर उपलब्धियां गिनाईं और आगामी वर्ष की योजनाओं के वारे में वताया। इस दौरान उन्होंने एक साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया और रिपोर्ट संवर्धन योजना की ऑफिशल लॉन्चिंग भी की।

योग ऐंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की स्थापना

प्रो. राय ने वताया कि विवि में नई फैकल्टी योग ऐंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की स्थापना की जा रही है। इसमें डिपार्टमेंट ऑफ योग और डिपार्टमेंट ऑफ नेचुरोपैथी जैसे तमाम डिपार्टमेंट खोले जाएंगे। इन डिपार्टमेंट्स में यूजी, पीजी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होगी। इसके अलावा डिपार्टमेंट ऑफ मॉलिक्यूलर ऐंड ह्यूमन जेनेटिक, डिपार्टमेंट ऑफ नैनो साइंस की भी स्थापना की गई है। इनमें भी आगामी सत्र से दाखिले लिए जाएंगे। साथ ही और डिपार्मेंट की स्थापना की जाएगी जो डिपार्टमेंट ऑफ डाटा साइंस के नाम से जाना जाएगा। यह पाठ्यक्रम विज्ञान संकाय के बीएससी के स्टूडेंट्स के लिए होगा।

आगामी वर्ष की योजना में संस्कृत विभाग में मौजूद इंस्टिट्यूट ऑफ अभिनव गुप्त काफी प्राथमिकता पर है। इसको अभिनवगुप्त लैंग्वेज ऑफ स्कूल से नाम से जाना जाएगा और इसे संस्कृत विभाग से अलग कर फैकल्टी के तौर पर स्थापित किया जाएगा। इसमें तमाम तरह की भाषा से संबंधित कोर्सेज का संचालन किया जाएगा।

स्टूडेंट्स के लिए होगा ओपन जिम

आगामी वर्ष में हर हॉस्टल में स्टूडेंट्स के लिए ओपन जिम वनवाया जाएगा। ताकि स्टूडेंट्स पीएम मोदी के फिट इंडिया अभियान से जुड़ सकें। साथ ही हर हॉस्टल में टेबल टेनिस टेबल भी लगवाई जाएगी।

रिपोर्ट कार्ड पेश करने के साथ ही संवर्धन योजना की ऑफिशल लॉन्चिंग की

विभागीय स्तर पर ही मिलेंगे मेडल

कुलपति ने वताया कि आगामी साल से स्पॉन्सर मेडल विभागीय स्तर पर ही वंटि जाएंगे। दीक्षांत समारोह में केवल वही मेडल वंटेंगे जो मुख्य माने जाते हैं।

मिलेगी लीगल अडवाइज

प्रो. राय ने वताया कि आगामी वर्ष से लीगल कंसल्टेंसी सेल की स्थापना करने की योजना है। इसमें स्टूडेंट्स के साथ समाज के लोग भी लीगल अडवाइज ले सकेंगे। यह सेल दो चरणों में काम करेगी। एक तो महिलाओं के जो पूरी तरह से निशुल्क होगी। वहीं, दूसरी कॉर्पोरेट कंसल्टेंसी के तौर पर, जिसके लिए शुल्क लगेगा।

बिजनेस क्लिनिक की होगी स्थापना

प्रो. राय ने वताया कि विवि में विजनेस क्लिनिक खुलेगी। जो स्टूडेंट्स ओपीडी की तरह होगी। फर्क सिर्फ इतना होगा कि इसमें विजनेस ऑर्गनाइजेशन से जुड़े लोगों की व्यवसाय वढ़ाने और नया विजनेस शुरू में सहायता की जाएगी। इसके लिए लोगों को एक निर्धारित रकम विवि प्रशासन को देनी होगी। साथ ही एलयू में आंत्रप्रेन्योरशिप सेल भी खोला जाएगा। जहां स्टूडेंट्स को आंत्रप्रेन्योर वनने के गुर सिखाए जाएंगे।

कृषि संकाय की होगी स्थापना

कुलपति बताया कि आगामी सत्र में एलयू में कृषि संकाय की भी स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही क्रॉस-कल्चरल स्टडीज के लिए एक केंद्र स्थापित करने के साथ ही बी.टेक आधुनिक कम्प्यूटिंग कोर्स शुरू किया जा रहा है।

HINDUSTAN PAGE 5

एलयू ने छात्रों को दिया विवि में काम करने का मौका, नई योजना की शुरुआत, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की घोषणा

कर्मयोगी योजनाःएलयू में छात्र अब करेंगे पढ़ाई संग कमाई

अच्छी खबर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अब विश्वविद्यालय प्रशासन और विभिन्न विभागों के साथ जुड़कर काम भी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की कर्मयोगी योजना के तहत इसके लिए छात्र को बकायदा भुगतान भी किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को इस योजना को लागू करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि एक जनवरी यानी शुक्रवार से छात्र इस योजना से जुड़ने के लिए आवेदन कर सकेंगे।

प्रो. आलोक ने बताया कि इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रों को कैंपस में आंशिक समय की नौकरियों के लिए मौका दिया जाएगा। नियत कार्य करने के लिए छात्र को 150 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। एक शैक्षणिक सत्र में 50 दिनों की सीमा के अधीन अधिकतम 2 घंटे काम करने की अनुमति होगी। कर्मयोगी योजना के तहत एक छात्र को दी जाने वाली अधिकतम राशि 15,000 रुपये निर्धारित की गई है। समिति हॉल में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी घोषणा की गई। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय का एंथम भी लॉन्च किया गया। ए

सीनियर छात्र करेंगे जूनियर्स का मार्गदर्शन : कुलपति ने इस मौके पर संवर्धन कार्यक्रम की भी शुरुआत की। इसके तहत सीनियर छात्र अपने जूनियर्स का मार्गदर्शन करेंगे। बताया कि पीएचडी के शोधार्थियों को पीजी के छात्रों का मेंटर बनाया जाएगा। पीजी के छात्र यूजी में पढ़ने वाले छात्रों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

10 वर्षों के बाद डी.लिट में होंगे प्रवेश : कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने डी.लिट का नया अध्यादेश तैयार कर दिया है। आगामी शैक्षिक सत्र में दाखिले की शुरुआत डी.लिट से ही की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीते 10 वर्षों से इसमें प्रवेश की प्रक्रिया रुकी थी। एलएलबी पंचवर्षीय कार्यक्रम और बी.कॉम में सीटें 120 से बढ़ाकर 180 कर दी गई हैं।

विवि के विशेषज्ञ देंगे लीगल सुझाव

प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभागों के स्तर पर कंसल्टेंसी सर्विस देने की भी शुरुआत कर दी गई है। जल्द ही इंजीनियरिंग और लॉ फैकल्टी के स्तर पर कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ये सेवाएं जरूरतमंद व्यक्तियों को मुफ्त और कोर्पोरेट को एक निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसी तरहए क्लीनिक की भी शुरुआत की जा रही है। यहां उद्योग जगत में काम कर रहे कारोबारियों को विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने का मौका मिलेगा। इसके लिए उन्हें एक निर्धारित शुल्क भी देना होगा।

कृषि संकाय की होगी स्थापना, बी.टेक, बीएससी में नए पाठ्यक्रम

आगामी सत्र में विश्वविद्यालय में कृषि संकाय की भी स्थापना की जाएगी। कुलपति ने बताया कि इसके लिए कवायद शुरू कर दी है। इसके अलावा क्रॉस-कल्चरल स्टडीज़ के लिए एक केंद्र स्थापित करने के साथ ही बी.टेक आधुनिक कम्प्यूटिंग (60 सीट) और बीएससी डेटा साइंस में पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभिनव गुप्ता संस्थान को स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा।

i-NEXT PAGE 2 & 4

यूनिवर्सिटी में आज से फिर शुरू होगी पढ़ाई

लखनऊ यूनिवर्सिटी में आज से फिर लगने लगेंगी क्लास

LUCKNOW(31 Dec inext): एलयू में शीतकालीन अवकाश 1 जनवरी को खत्म हो रहे हैं. जनवरी के आखिरी सप्ताह में एग्जाम कराने का ऐलान भी हो चुका है. ऐसे में अब पढ़ाई की रफ्तार भी बढ़ाई जाएगी. एमक्यूसी बेस पर होने वाले एग्जाम को लेकर स्टूडेंट्स की विशेष तैयारी भी कराई जाएगी.

25 सितंबर से था अवकाश

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 25 सितंबर से 31 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश था. परीक्षा समिति की बैठक में तय किया जा चुका है कि यूजी के एग्जाम एमक्यूसी बेस पर होंगे. वहीं पीजी के एग्जाम भी विभागीय स्तर पर कराए जाएंगे. बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएएमएस, बीयूएमएस, एलएलएम और प्रोफेशनल एग्जाम थ्योरी बेस ही कराए जाएंगे. एग्जाम जनवरी के अंतिम सप्ताह में होने कराए जाने की उम्मीद है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन और ऑफलाइन क्लास जारी हैं.

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को लांच कीं दो योजनाएं

एलयू में पढ़ाई और कमाई एक साथ

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने लांच की संवर्धन और कर्मयोगी योजना

डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा यूनिवर्सिटी को दी गई एंबुलेंस का हुआ शुभारंभ

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (31 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को स्टूडेंट्स के लिए दो योजनाएं लांच कीं. पहली योजना का नाम संवर्धन और दूसरी योजना का नाम कर्मयोगी है. वहीं गरीब स्टूडेंट्स के लिए स्टूडेंट वेलफेयर फंड की भी शुरुआत की गई है. जिससे गरीब स्टूडेंट्स को काफी मदद मिलेगी.

स्कॉलरशिप हुई 15 हजार

छात्र कल्याण स्कॉलरशिप को अब पांच हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दिया गया है. वहीं स्टूडेंट्स को कर्मयोगी योजना में एलयू में जॉब कर पैसा कमाने का मौका भी मिलेगा. इन योजनाओं के लिए एलयू जल्द आवेदन पत्र निकालने जा रहा है. वहीं डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा की ओर से दी गई एंबुलेंस का भी गुरुवार को शुभारंभ हुआ है. संवर्धन योजना के तहत एक सीनियर स्टूडेंट अपने जूनियर स्टूडेंट्स का न सिर्फ मार्गदर्शन करेगा बल्कि शिक्षा में आ रही उसकी दिक्कतों को भी समाप्त करेगा. पीएचडी का रिसर्च स्कॉलर अपने से जूनियर पीजी के स्टूडेंट का मार्ग दर्शन करेगा.

CONCEPT PIC

स्कॉलरशिप का पैमाना

एलयू की डीएसडब्लयू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि जो भी स्टूडेंट स्कॉलरशिप का फॉर्म प्रथम वर्ष में भरेगा उसको उसके रिजल्ट के आधार पर 60 प्रतिशत अंक आने पर पढ़ाई के लिए भी हर साल 15 हजार रुपये स्कॉलरशिप मिलेगी. 60 फीसद से कम मार्क्स आने पर केवल एक बार ही स्टूडेंट को स्कॉलरशिप दी जाएगी. इसमें स्टूडेंट्स का बैकग्राउंड भी देखा जाएगा.

संवर्धन योजना में एक सीनियर स्टूडेंट अपने जूनियर स्टूडेंट का न सिर्फ मार्गदर्शन करेगा बल्कि उसकी शिक्षा में आ रही दिक्कतों को भी दूर करेगा.

क्या है कर्मयोगी योजना

कर्मयोगी योजना के लिए एलयू ने ये नियम बनाया है कि एक स्टूडेंट को दिन में दो घंटे व साल में 50 दिन काम करने का मौका दिया जाएगा. जिसके लिए प्रति घंटे 150 रुपये एलयू प्रशासन की ओर से दिए जाएंगे.

स्टूडेंट वेलफेयर फंड

आर्थिक रूप से कमजोर स्टूडेंट्स के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी में पुअर स्टूडेंट एड फंड योजना चलाई जाती थी, जिसे अब स्टूडेंट वेलफेयर फंड योजना कर दिया गया है. लखनऊ यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेने वाले हर स्टूडेंट्स से फीस में 200 रुपये इस फंड के लिए लिए जाते थे और इससे गरीब स्टूडेंट्स की मदद की जाती थी. लखनऊ यूनिवर्सिटी में लगभग 20 हजार स्टूडेंट्स पढ़ते हैं, जिससे इस फंड में 40 लाख रुपये हर साल जमा होते थे. इस योजना में अब तक उन स्टूडेंट्स को सहायता मिलती थी जिनके परिवार की वार्षिक आय दो लाख से कम है, लेकिन अब इस सीमा को तीन लाख रुपए कर दिया गया है. वहीं स्टूडेंट्स को दी जाने वाली स्कॉलरशिप की राशि भी पांच हजार रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए कर दी गई है. हालांकि इसके लिए मार्क्स का पैमाना निर्धारित किया गया है.

RASHTRIYA SAHARA PAGE 6

लविवि में जूनियर छात्रों के मददगार बनेंगे सीनियर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने सीनियर व जूनियर छात्रों को आपस में जोड़ने और उनके बीच शैक्षिक आदान-प्रदान के लिए अच्छी पहल की है। विश्वविद्यालय ने मेंटी व मेंटर की योजना 'संवर्धन' शुरू की है। इसमें शोध व एमफिल के छात्र पीजी छात्रों की तो पीजी के छात्र यूजी छात्रों मेंटरिंग करेंगे। इसमें उनकी पढ़ाई, व्यक्तिगत दिक्कत आदि सभी से जुड़ी चीजों पर बात कर समाधान निकालेंगे।

छात्रों को कैंपस में मिलेगी आंशिक नौकरी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को इस योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के तौर तरीके समझने में काफी सहायता मिलेगी। सीनियर छात्र जूनियर को बताएंगे वह किस तरह की किताब पढ़ें और कैसे तैयारी करें। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही विवि ने छात्र केंद्रित 'कर्मयोगी योजना' की भी शुरुआत की है। इसके अंतर्गत विवि के छात्रों को कैंपस में आंशिक समय की नौकरियों के लिए मौका दिया जाएगा। इसका उद्देश्य मूल्यवान मानव संसाधन के रूप में छात्रों की क्षमता का उपयोग, पढ़ाई के साथ के साथ कमाई, विवि की गतिविधियों में छात्रों को शामिल करना, छात्रों को उनके वास्तविक रोजगार प्राप्त करने से पहले काम का अनुभव प्रदान करना व छात्रों की युवा ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना है। इस योजना में नियत काम करने के लिए छात्र को प्रतिदिन 150 रुपये का भुगतान किया जाएगा। एक शैक्षणिक सत्र में 50 दिनों की सीमा में काम करने की अनुमति होगी। कर्मयोगी योजना के तहत एक छात्र को दी जाने वाली अधिकतम राशि 15 हजार होगी।

THE PIONEER PAGE 3

एलयू में दस वर्ष बाद डीलिट में होंगे दाखिले

एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर विवि के कुलपति ने जारी किया रिपोर्ट कार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से नए सत्र में दस साल बाद डीलिट में एडमिशन लिया जाएगा। इसके साथ एग्रीकल्चर में विस्तार, बीएससी डेटा साइंस, इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक मॉडर्न टेक्नोलॉजी जैसे नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। साथ ही फैकल्टी में एग्रीकल्चर फैकेल्टी, अभिनव गुप्त लैंग्वेज ऑफस्कूल ऑफकी स्थापना की जाएगी। गुरुवार को यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने दी है।

एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए मीडिया से मुखातिब विवि के कुलपति प्रो राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के एंथम को लॉन्च किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र अब विश्वविद्यालय प्रशासन और विभिन्न विभागों के साथ जुड़कर काम भी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की कर्मयोगी योजना के तहत इसके लिए छात्र को बकायदा भुगतान भी किया जाएगा। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रों को कैंपस में आंशिक समय की नौकरियों के लिए मौका दिया जाएगा। नियत कार्य करने के लिए छात्र को 150 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। एक शैक्षणिक सत्र में 50 दिनों की सीमा के अधीन घंटे और अधिकतम 2 घंटे काम करने की अनुमति होगी। कर्मयोगी योजना के तहत एक छात्र को दी जाने वाली अधिकतम राशि 15,000 रुपये निर्धारित की गई है। प्रो. राय ने बताया कि विश्वद्यालय में एक नई फैकेल्टी योग एंड अल्टरनेटिव मेडसिन की स्थापना की जा रही है। इस फैकेल्टी में डिपार्टमेंट ऑफ योग और डिपार्टमेंट ऑफ नेचुरोपैथी जैसे तमाम डिपार्टमेंट खोले जाएंगे। इन डिपार्टमेंट्स में यूजीएपीजी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन होगा। इसके अलावा डिपार्टमेंट ऑफमॉलिकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, डिपार्टमेंट ऑफनैनो साइंस की भी स्थापना की गई है।

कुलपति ने इस मौके पर संवर्धन कार्यक्रम की भी शुरुआत की। इसके तहत सीनियर छात्र अपने जूनियर्स का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि पीएचडी के शोधार्थियों को पीजी के छात्रों का मेंटर बनाया जाएगा। इसी तरहए पीजी के छात्र यूजी में पढ़ने वाले छात्रों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

विवि में खुलेगा स्कूल ऑफ अभिनवगुप्त

प्रोण् राय की आगामी वर्ष की योजना में संस्कृत विभाग में मौजूद इंस्टीट्यूट ऑफ अभिनव गुप्त काफी प्राथमिकता पर है। जिसकों अब अभिनवगुप्त लैंग्वेज ऑफ स्कूल से नाम से जाना जाएगा और इसे संस्कृत विभाग से अलग कर एक फैकेल्टी के तौर पर स्थापित किया जाएगा। वहीं अगामी वर्ष में हर हॉस्टल में स्टूडेंट्स के लिए एक ओपन जिम का निर्माण करवाया जाएगा। जिससे कि स्टूडेंट्स को पीएम मोदी के फिट इंडिया अभियान से जोड़ा जा सके। साथ ही हर हॉस्टल में एक टेबल टेनिस टेबल भी लगवाई जाएगी

विधि और इंजीनियरिंग विभाग देंगे सुझाव

प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभागों के स्तर पर कंसल्टेंसी सर्विस देने की भी शुरुआत कर दी गई है। जल्द ही, इंजीनियरिंग और लॉ फैकल्टी के स्तर पर कंसल्टेंसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ये सेवाएं जरूरतमंद व्यक्तियों को मुफ्त और कॉर्पोरेट को एक निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसी तरहए बिजनेस क्लीनिक की भी शुरुआत की जा रही है। यहां उद्योग जगत में काम कर रहे कारोबारियों को विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने का मौका मिलेगा। इसके लिए उन्हें एक निर्धारित शुल्क भी देना होगा।

Chance for LU students to earn while they learn

PNS ■ LUCKNOW

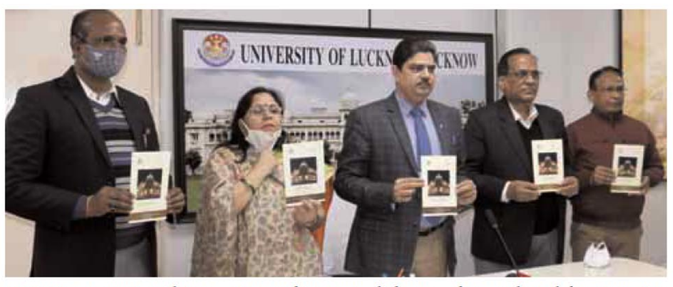

Lucknow University Vice-Chancellor Prof AK Rai launched a student-centric and student-friendly scheme, 'Karmayogi Yojana' on Thursday. He told mediapersons that under this scheme, the students will be encouraged to take up part-time in-camus jobs to support their expenditure partially. The VC said that the objectives of this scheme are to make use of students' potential as a valuable human resource and to earn and learn.

"For doing the assigned jobs, the student will be paid Rs 150 per hour and will be allowed to work for a maximum of two hours a day, subject to a ceiling of 50 days in an academic session. This ceiling on working hours will ensure that jobs are not pursued at the cost of studies. The maximum amount paid to a student in any case under the scheme will be Rs 15,000," he said.

Prof Rai also briefed mediapersons about the 'advanced ambulance' facility provided by Deputy CM Dinesh Sharma.

About completion of his one year in office, Rai said that he focused on participatory governance in which the decision making was dialogue-based. He said the university has explored all the possible ways of communications and encouraged departments, institutes and centres to create their Twitter accounts.

He said he empowered departments by their participation in decision making and decentralised post-graduate examinations, which would be conducted by respective departments. He added that in the coming year, the PG and PhD admissions would be conducted at the department level.

"Besides, sponsored medals and degree distributions will be done at the department level. Emphasis is also being laid on strengthening the alumni cell recruitment cells at the department level," he pointed out. The VC said that the university is emphasising on non-grant revenue and in view of this, YouTube channels of all the departments, institutes and centre can generate some revenue for the university in the time to come.

Rai said that during this academic session, exponential increase in the sale of admission forms has been witnessed and the university expanded its jurisdiction in three new cities.

"In accordance with the New Education Policy, LU is the first university in the country to have created a new PG ordinance, inculcating 'Credit Transfer Scheme' and PhD ordinance which encompasses part-time PhD, Integrated PhD schemes etc. He added that this year, new DLitt ordinance was also passed in which there was no admission for the last ten years.

AMRIT VICHAR PAGE 2

छात्रों को नौकरी का पहला पाठ पढ़ाएगी कर्मयोगी योजना

कुलपति प्रो. आलोक राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय में अपने एक साल पूरा होने पर एंथम जारी कर जूनियर छात्रों के मार्गदर्शन व संवर्धन की राह की आसान

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने एक वर्ष पूरे होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय का एंथम लांच किया। यह एंथम शताब्दी उत्सव के दौरान रिलीज हुई विश्वविद्यालय के वृत्तचित्र के पार्श्व संगीत का हिस्सा है, जिसे पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने तैयार किया था। प्रो. राय ने विश्वविद्यालय के मेरीटोरियस छात्रों से आम छात्रों को जोड़ने की पहल 'संवर्धन' की बात की। संवर्धन के अंतर्गत विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र अपने जूनियर की मेंटरशिप करेंगे, उन्हें विश्वविद्यालय के तौर तरीके समझने में उनकी सहायता करेंगे तथा उन्हें आगे के छात्र जीवन के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही प्रो. राय ने कैम्पस में 'कर्मयोगी योजना' का भी शुभारम्भ किया, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के छात्रों को कैम्पस में आंशिक समय की नौकरियों के लिए मौका दिया जाएगा। प्रो. राय ने दावा किया कि इसका उद्देश्य मूल्यवान मानव संसाधन के रूप में छात्रों की क्षमता का उपयोग, शिक्षा के साथ अर्जन, विश्वविद्यालय की गतिविधियों में छात्रों को शामिल करना, छात्रों को उनके वास्तविक रोजगार प्राप्त करने से पहले काम का अनुभव कराने के साथ ही श्रम की गरिमा सिखाना, छात्रों की युवा ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाना है। नियत कार्य करने के लिए छात्र को 150 रुपए का भुगतान किया जाएगा। एक शैक्षणिक सत्र में 50 दिनों की सीमा के अधीन घंटे और अधिकतम दो घंटे काम करने की अनुमति होगी। कर्मयोगी योजना के तहत एक छात्र को दी जाने वाली अधिकतम राशि 15,000 रुपए होगी। प्रो. राय ने उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा की विधायक निधि से तैयार किए गए 'उन्नत एम्बुलेंस' के बारे में भी जानकारी दी। प्रो. राय ने अपने एक वर्ष पूरे होने की वार्षिक रिपोर्ट जारी की। प्रो. राय ने कहा कि कुल छह कार्यकारी परिषद की बैठक 20 मार्च 2020 से आज तक बुलाई गई है और इनमें से तीन बैठकों में विश्वविद्यालय के कामकाज के लिए परिषद के सदस्यों द्वारा सराहना हुई है। प्रो. राय ने यह भी कहा कि चांसलर और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा एक अप्रैल 2020 को शुरू की गई रीफर्बिश्ड वेबसाइट में अब सभी दस्तावेज वेबसाइट पर रखे गए हैं और इस वजह से इस नए वेबसाइट पर अब तक 2.5 करोड़ हिट्स दर्ज हो चुके हैं। प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय ने संचार के सभी संभावित तरीकों का इस्तेमाल किया है और अपने ट्विटर अकाउंट बनाने के लिए विभागों, संस्थानों और केंद्रों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने निर्णय लेने में विभागों को सशक्त बनाया है, साथ ही आने वाले वर्ष में स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रवेश भी विभाग स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विभाग स्तर पर पूर्व छात्र सेल को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।प्रो. राय ने बताया कि विश्वविद्यालय 'अल्टरनेटिव इनकम सोर्सेज' पर जोर दे रहा है और इसके आलोक में सभी विभागों, संस्थानों और केन्द्रों के यूट्यूब चैनल लॉन्च किए हैं, साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय कंसल्टेंसी सर्विस देने की तरफ भी कदम आगे बढ़ाने की बात कही है और इंजीनियरिंग व लॉ फैकल्टी से कंसल्टेंसी देने की कोशिश की जा रही है जो जरूरतमंद व्यक्तियों को मुफ्त में तथा कारपोरेट को शुल्क लेकर कंसल्टेंसी सेवाएं देंगे। प्रो. राय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने तीन नए शहरों में अपने अधिकार क्षेत्र का विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि नवगठित 'नई शिक्षा नीति-2020' के अनुसार विश्वविद्यालय न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ष नई डीलिट अध्यादेश भी पारित किया गया था जिसमें पिछले दस वर्षों से कोई प्रवेश नहीं हो रहा था। प्रो. राय ने बताया कि एलएलबी पंचवर्षीय कार्यक्रम और बी कॉम में सीटें 120 से बढ़ाकर 180 कर दी गई थी और बीटेक (कंप्यूटर साइंस) में सीटें 90 से बढ़ाकर 180 कर दी गई हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू कुलपति ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

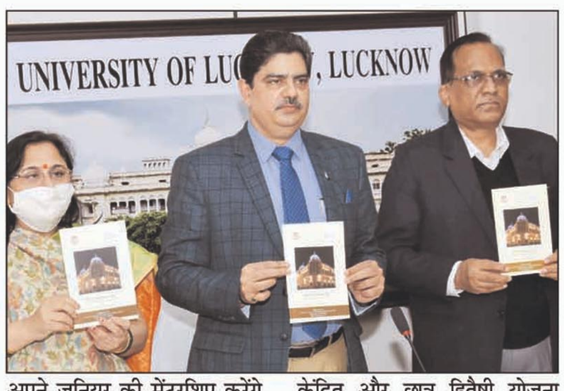

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने एक पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने एक वर्ष का अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। सभी को बधाई देने के बाद, उन्होंने सबसे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय का एंथम लॉन्च किया। उक्त एंथम हाल ही में शताब्दी उत्सव के दौरान रिलीज हुई विश्वविद्यालय के वित्तचित्र के संगीत का हिस्सा है, जिसे पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने तैयार किया था। इसके बाद